9. गुसाडी

सोचो-बोलो

प्रश्न :

1. चित्र में क्या दिखायी दे रहा है?
2. कुछ प्रसिद्ध लोकनृत्यों के नाम बताइए।
3. नाचती हुई इन महिलाओं के मन में कौनसी भावना होगी?

छात्रों के लिए सूचनाएँ :

1. पाठ के चित्र देखिए। चित्र के आधार पर कल्पना कीजिए कि पाठ में क्या बताया गया होगा?
2. यह पाठ पढ़िए। समझ में न आने वाले शब्द और वाक्य रेखांकित कीजिए।
3. समझ में न आने वाले शब्दों और वाक्यों के बारे में मित्रों से चर्चा कीजिए।
4. समझ में न आने वाले शब्दों के अर्थ शब्दकोश में ढूँढ़िए।

SCERT TELANGANA

मेरा नाम जंगु है। मैं आदिलाबाद के गोंड जनजाति का युवक हूँ। मैं गोंडी भाषा में बात करता हूँ। यह भाषा बहुत ही मीठी होती है।

हमारी भी एक विशेष संस्कृति है। गुसाडी हमारी संस्कृति का प्रमुख नृत्य है। नाचते समय हमारी विशेष वेश-भूषा होती है। हम विविध उत्सवों पर नृत्य करते हैं। 'जंगुदाई' हमारी देवी हैं। हम इनकी विशेष पूजा करते हैं। हमारा मानना है कि वे हमें संकटों से बचाती हैं। हम मोर के पंखों से बनी पगड़ी पहनते हैं। मुझे अपनी संस्कृति बहुत पसंद है।

पुरुष ढोल बजाते हैं, तो स्त्रियाँ गाना गाती हैं। हमारे गीत की प्रसिद्ध पंक्ति- '' रेला ..... रेला '' है। जैसा हम गाते हैं, वैसा ही नृत्य भी करते हैं।

हम जंगल में रहते हैं। यहाँ से शहर बहुत दूर है। हम तक पहुँचने के लिए सड़कों व बसों की सुविधाएँ बहुत कम हैं। अब सरकार सुविधाएँ देने का प्रयास कर रही है।

SCERT TELANGANA

सुनो-बोलो

1. शहर दूर होने के कारण गोंड जनजाति के लोगों को क्या-क्या कठिनाइयाँ होती हैं?

2. कुछ लोकनृत्यों के बारे में बताइए? जैसे :- कोलाटम, डांडिया आदि।

पढ़ो

(अ) **वाक्यों का क्रम सही कीजिए।**

- बहुत मीठी है होती भाषा यह।

.....

- संस्कृति प्रमुख है नृत्य गुसाडी का हमारी।

.....

- बजाते हैं ढोल पुरुष।

.....

- दूर हैं होते शहर बहुत।

.....

लिखो

(अ) **गुसाडी नृत्य के बारे में आप क्या जानते हैं?**

.....

.....

.....

.....

SCERT TELANGANA

शब्द भंडार

(अ) जोड़िए और नये वाक्य लिखिए।

दिवाली — रंग खेलते हैं।   ....

ईद — दीप जलाते हैं।   ....

क्रिसमस — ईदगाह जाते हैं।   ....

होली — झंडा फहराते हैं।   ....

स्वतंत्रता दिवस — सैंटा आते हैं।   ....

(आ) वाद्य यंत्रों के नाम लिखिए।

तबला	ढोल	बाँसुरी	वायोलिन	वीणा

....

....

SCERT TELANGANA

(इ) वर्गपहेली में से पाठ में आये शब्दों को ढूँढकर लिखिए।

ज	गु	सा	डी	ल
न	वे	नृ	त्य	प
जा	जं	श	गों	डी
ति	गु	ता	भू	ला
कु	यु	व	क	षा

नृत्य

.....

.....

.....

.....

भाषा की बात

(अ) नीचे दिये गये वाक्य ध्यान से देखिए।

- मैं गुसाडी नृत्य करता हूँ। जैसे :- हम गुसाडी नृत्य करते हैं।
- मैं पर्व मनाता हूँ। .....
- मैं पुस्तक पढ़ता हूँ। .....
- मैं पानी पीता हूँ। .....
- मैं खाना खाता हूँ। .....

ऊपर दिये गये वाक्यों के आधार पर 'हम' शब्द का उपयोग करते हुए कुछ वाक्य बनाइए।

सृजनात्मक अभिव्यक्ति

मोर के पंख का चित्र उतार कर दो वाक्य लिखिए।

क्या मैं ये कर सकता/सकती हूँ?	हाँ (✓)	नहीं (×)
1. मैं पाठ के बारे में बातचीत कर सकता/सकती हूँ।		
2. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में बता सकता/सकती हूँ।		
3. मैं पाठ का सारांश अपने शब्दों में लिख सकता/सकती हूँ।		
4. मैं पाठ के शब्दों से वाक्य बना सकता/सकती हूँ।		

SCERT TELANGANA

प्यारी बिटिया

पढ़ो-आनंद लो

लड़की : बूढ़े बाबा क्यों बैठे हो, अपने घर जाओ।
रात अंधेरी सरदी भरी, यहाँ बैठे क्या पाओ।।

बूढ़ा : देखो बेटी, मैं हूँ बूढ़ा, चला नहीं अब जाता।
आँखों से भी कम दिखता है, फिर बुखार भी आता।।

लड़की : कहाँ तुम्हारा घर है बाबा, बोलो, किसे बुलाऊँ?
यहाँ ठहरना ठीक नहीं है, आओ राह दिखाऊँ।।

बूढ़ा : बड़ी भली हो बिटिया रानी, पकड़ो मेरा हाथ।
धीरे-धीरे चला चलूँगा, मैं अब तेरे साथ।।

लड़की : दूर तुम्हारा घर है बाबा, चले चलो घर मेरे।
आज रात को यहीं रहो, तुम जाना सुबह सवेरे।।

बूढ़ा : सुखी रहो तुम प्यारी बिटिया, तुमने मुझे बचाया।
रात अंधेरी सरदी भरी, काँप रही थी काया।।

NCERT TELANGANA